पहली बार विज्ञान संग होगी आयुर्वेद व योग की पढ़ाई

महेंद्रगढ़, 27 अक्तूबर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) ने पुरातन योग व आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार की दिशा में एक अहम कदम बढ़ाया है। विश्वविद्यालय इंस्टीच्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, डॉर्टमाऊथ, यू.एस.ए. के साथ मिलकर देश में पहली बार विद्यार्थियों को आयुर्वेद व योग के वैज्ञानिक पहलुओं से अवगत कराने वाले पाठ्यक्रमों की शुरूआत करने जा रहा है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ के मार्गदर्शन में इस बाबत इंस्टीच्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यू.एस.ए. के प्रैजीडैंट व प्रोफैसर बलराम सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव रामदत्त ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर इंस्टीच्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यू.एस.ए. व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से जुड़े प्रो. वी.एस. परमार भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आयुर्वेद व योग को एक बार फिर से विश्व में ख्याति मिली है और इसी का नतीजा है कि आज इन दोनों ही पद्धतियों को जानने-समझने के लिए समूचा विश्व इच्छुक है। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि आयुर्वेद व योग के रसायन विज्ञान व जीव विज्ञान से सह-संबंध को विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए हम अपने यहां दो नए पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं।

प्रो. कुहाड़ ने बताया कि इस प्रयास में हमें इस क्षेत्र के पुरोधा प्रो. बलराम सिंह व प्रो. वी.एस. परमार का साथ मिला है। प्रो. परमार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से भी विशेषज्ञ शिक्षक के रूप में जुड़े हुए हैं और समय-समय पर विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नए-नए पहलुओं से अवगत कराते हैं। इस करार के दौरान भी उन्होंने एक लैक्चर के माध्यम से पौराणिक आयुर्वेद के ज्ञान व ग्रीन कैमेस्ट्री से उसके संबंध और उसकी उपयोगिता से विद्यार्थियों व शिक्षकों को अवगत करवाया।

इसी दौरान इंस्टीच्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यू.एस.ए. के प्रो. बलराम सिंह ने योग, आयुर्वेद, स्वाध्याय के पुरातन व वैज्ञानिक पहलुओं तथा उसके जीव विज्ञान से गूढ़ संबंध पर विस्तार से अपनी बात रखी।

विश्वविद्यालय व इंस्टीच्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यू.एस.ए. के साथ हुए करार के बाद हकेंवि में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के 2 पाठ्यक्रम आगामी सत्र से शुरू करने की योजना है। इनमें एक कोर्स 6 माह का सर्टीफिकेट कोर्स, जबकि दूसरा कोर्स विश्वविद्यालय जनरल इलैक्टिव कोर्स के रूप में उपलब्ध कराए जाने का प्रस्ताव है। देश में यह

कुलपति प्रो. कुहाड़ बुके भेंट करते हुए। मोहन

पहला मौका है जब पाठ्यक्रम के माध्यम से योग व आयुर्वेद के वैज्ञानिक पहलुओं का अध्ययन करने का अवसर विश्वविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को उपलब्ध होगा। यहां बता दे कि इस करार के बाद पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया शुरू होगी और इससे संबंधित औपचारिकताओं को पूरा कर इन पाठ्यक्रमों को विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों के लिए हुए समझौते के दौरान विश्वविद्यालय के शोध एवं अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. ए.जे. वर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. बीर सिंह, कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. सतीश कुमार सहित डा. संजीव कुमार, डा. आदित्य सक्सेना, डा. कश्यप कुमार दुबे आदि भी उपस्थित थे।

देश में पहली बार विज्ञान के साथ होगी आयुर्वेद और योग की पढ़ाई

हकेंवि में हुआ इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यूएसए के साथ करार, 6 माह का सर्टिफिकेट और जनरल इलेक्टिव कोर्स होगा शुरू

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) ने पुरातन योग और आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार की दिशा में एक अहम कदम बढ़ाया है। विवि इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, डॉर्टमाउथ, यूएसए के साथ मिलकर देश में पहली बार विद्यार्थियों को आयुर्वेद व योग के वैज्ञानिक पहलुओं से अवगत कराने वाले पाठ्यक्रमों की शुरुआत करने जा रहा है।

विवि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के मार्गदर्शन में इस बाबत इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यूएसए के प्रेसिडेंट व प्रोफेसर बलराम सिंह व हकेंवि के कुलसचिव रामदत्त ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यूएसए व हकेंवि से जुड़े प्रो. वीएस परमार भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आयुर्वेद व योग को एक बार फिर से विश्व में ख्याति मिली है। इसी का नतीजा

है कि आज इन दोनों ही पद्धतियों को जानने-समझने के लिए समूचा विश्व इच्छुक है। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि आयुर्वेद व योग के रसायन विज्ञान व जीव विज्ञान से सह-संबंध को विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए हम अपने यहां दो नए पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं। प्रो. कुहाड़ ने बताया कि इस प्रयास में हमें प्रो. बलराम सिंह व प्रो. वीएस परमार का साथ मिला है। प्रो. परमार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से भी विशेषज्ञ शिक्षक के रूप में जुड़े हुए हैं और समय-समय पर विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नए-नए पहलुओं से अवगत कराते हैं।

विवि व इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यूएसए के साथ हुए करार के बाद हकेंवि में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के दो पाठ्यक्रम आगामी सत्र से शुरू करने की योजना है। इनमें एक कोर्स 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स, जबकि दूसरा कोर्स विश्वविद्यालय जनरल इलेक्टिव कोर्स के रूप में उपलब्ध कराए जाने का प्रस्ताव है। इन पाठ्यक्रमों के लिए हुए समझौते के दौरान विवि के शोध एवं अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. एजे वर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. सतीश कुमार सहित डॉ. संजीव कुमार, डॉ. आदित्य सक्सेना, डॉ. कश्यप कुमार दुबे आदि भी उपस्थित थे।

हकेंविवि में विद्यार्थी आयुर्वेद और योग विषय को पढ़ेंगे एक साथ

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने पुरातन योग व आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार की दिशा में एक अहम कदम बढ़ाया है। विश्वविद्यालय इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, डॉर्टमाउथ, यूएसए के साथ मिलकर देश में पहली बार विद्यार्थियों को आयुर्वेद व योग के वैज्ञानिक पहलुओं से अवगत कराने वाले पाठ्यक्रमों की शुरुआत करने जा रहा है। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के मार्गदर्शन में इस बाबत इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यूएसए के प्रेसिडेंट व प्रो. बलराम सिंह व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव रामदत्त ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

कुलपति ने बताया कि आयुर्वेद व योग के रसायन विज्ञान व जीव विज्ञान से सह-संबंध को विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए हम अपने यहां दो नए पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं। इस प्रयास में इस क्षेत्र के पुरोधा प्रो. बलराम सिंह व प्रो. वीएस परमार का साथ मिला है। प्रो. परमार

हकेंविवि में प्रो. बलराम सिंह का स्वागत करते कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से भी विशेषज्ञ शिक्षक के रूप में जुड़े हुए हैं और समय-समय पर विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नए-नए पहलुओं से अवगत कराते हैं। इसी दौरान इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यूएसए के प्रो. बलराम सिंह ने योग, आयुर्वेद, स्वाध्याय के पुरातन व वैज्ञानिक पहलुओं और उसके जीव विज्ञान से गूढ़ संबंध पर अपनी बात रखी। विश्वविद्यालय व इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यूएसए के साथ हुए करार के बाद हकेंवि में अंतरराष्ट्रीय स्तर के दो पाठ्यक्रम आगामी सत्र से शुरू करने की योजना है। इनमें एक कोर्स 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स, जबकि दूसरा कोर्स विश्वविद्यालय जनरल इलेक्टिव कोर्स के रूप में उपलब्ध कराए जाने का प्रस्ताव है।

यहां बता दें कि इस करार के बाद पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया शुरू होगी और इससे संबंधित औपचारिकताओं को पूरा कर इन पाठ्यक्रमों को विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यूएसए व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से जुड़े प्रो. वीएस परमार भी उपस्थित रहे। इन पाठ्यक्रमों के लिए हुए समझौते के दौरान विश्वविद्यालय के शोध एवं अनुसंधान अधिष्ठाता प्रो. एजे वर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. सतीश कुमार सहित डॉ. संजीव कुमार, डॉ. आदित्य सक्सेना, डॉ. कश्यप कुमार दुबे आदि रहे।

देश में पहली बार विज्ञान संग होगी आयुर्वेद व योग की पढ़ाई

जागरण संवाददाता, नारनौल : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) ने पुरातन योग व आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार की दिशा में अहम कदम बढ़ाया है। विश्वविद्यालय इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, डॉर्टमाउथ (यूएसए) के साथ मिलकर देश में पहली बार विद्यार्थियों को आयुर्वेद व योग के वैज्ञानिक पहलुओं से अवगत कराने वाले पाठ्यक्रमों की शुरुआत करने जा रहा है। इस बाबत इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यूएसए के प्रेसिडेंट प्रो. बलराम सिंह और हकेंवि के कुलसचिव रामदत्त ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यूएसए व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से जुड़े प्रो. वीएस परमार व कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ भी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो.आरसी कुहाड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आयुर्वेद व योग को एक बार फिर से विश्व में ख्याति मिली है और इसी का नतीजा है कि आज इन दोनों ही पद्धतियों को जानने-समझने के लिए समूचा विश्व इच्छुक है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद व योग के रसायन विज्ञान व जीव विज्ञान से सह-संबंध को विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए हम अपने यहां दो नए पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं। इस प्रयास में हमें इस क्षेत्र के पुरोधा प्रो. बलराम सिंह व प्रो. वीएस परमार का साथ मिला है।

उन्होंने कहा कि प्रो. परमार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से भी विशेषज्ञ शिक्षक के रूप में जुड़े हुए हैं और समय-समय पर विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नए-नए पहलुओं से अवगत कराते हैं। इस करार के दौरान भी उन्होंने एक लेक्चर के माध्यम से पौराणिक आयुर्वेद के ज्ञान व ग्रीन केमिस्ट्री से उसके संबंध और उसकी उपयोगिता से विद्यार्थियों व शिक्षकों को अवगत कराया। इसी दौरान इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस साइंसेज, यूएसए के प्रो. बलराम सिंह ने योग, आयुर्वेद, स्वाध्याय के पुरातन व वैज्ञानिक पहलुओं तथा उसके जीव विज्ञान से गूढ़ संबंध पर विस्तार से अपनी बात रखी।